(8)

VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS M N 0 1 SEP 2022 No. 3 RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1837)

Name of Candidate	राजकेश मीणा		
Medium Hindi/Eng.	हिंदी	Registration Number	60766
Center	मुखर्जी नगर	Date	1 Sep 2022

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6(a)	10	
6(b)	10	
6(c)	10	
7	20	
8	20	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWELVE** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बारह प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – A

1. (a) Explain why altruism constitutes one of the core values in public life. In this regard, suggest some measures to foster altruistic behaviour in public services. **(150 words) 10**

स्पष्ट कीजिए कि परोपकारिता सार्वजनिक जीवन में प्रमुख मूल्यों में से एक क्यों है। इस संबंध में लोक सेवाओं में परोपकारी व्यवहार को बढ़ावा देने के लिए कुछ उपायों का सुझाव दीजिए।

परोपकारिता से तात्पर्य निःस्वार्थ भाव से दूसरों की उन्नति के कार्य करना ताकि कमजोर वर्ग भी समाज की मुख्य धारा का हिस्सा बन सके। जैसे – बाबा आम्टे कुष्ठ रोग के लिए कार्य, कैलाश सत्यार्थी बाल अधिकारों के लिए

परोपकारिता महत्वपूर्ण मूल्य क्यों ?

① यह सभी मूल्यों को बढ़ावा देता है क्योंकि यह दूसरों को कुछ करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

② प्रशासन में कमजोर वर्गों के प्रति समर्पण भाव से कार्य करने के लिए जरूरी

③ पीड़ित व्यक्ति की सहायता में उपयोगी

④ समावेशी विकास एवं सामाजिक न्याय के लिए जरूरी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

लोकसेवा परोपकारिता को बढ़ावा देने के उपाय

① प्रशिक्षण के दौरान ग्रामीण प्रशिक्षण देकर समस्याओं से अवगत कराना

② चयन प्रक्रिया में भावनात्मक बुद्धिमत्ता से युक्त व्यक्तियों का चयन

③ सफल लोक सेवकों की कहानी सुनाना एवं पढ़ाना जैसे IAS अधिकारी जितेन्द्र सोनी का चरणपादुका अभियान, प्रेम प्रकाश मीणा IAS गाँव आपके द्वार योजना का सफल कार्यान्वयन

④ स्कूली शिक्षा पाठ्यक्रम में बुद्ध और महावीर के सिद्धांतों को पढ़ाना

⑤ इस संबंध में गांधीजी का जंतर अधिक प्रासंगिक है कि सबसे नीचे बैठे व्यक्ति की जगह अपने को रखकर निर्णय लें और निर्णय लें। लोकसेवकों में ऐसी भावना प्रशासन में विकसित करना

उपर्युक्त सुझाव परोपकारिता को बढ़ावा देने में प्रासंगिक हैं

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. **(b)** Certain actions can be right even though they do not maximize good consequences, for the rightness of such actions consists in their representing certain norms. Discuss with examples. **(150 words) 10**

कुछ कार्य सही हो सकते हैं, भले ही वे अच्छे परिणामों को अधिकतम न करें, क्योंकि ऐसे कार्यों का औचित्य उनमें शामिल कुछ मानदंडों में निहित होते हैं। उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए।

प्रयुक्त प्रश्न साधन को साध्य की अपेक्षा अधिक महत्व देना प्रतीत होता है।

कुछ कार्य जैसे भारत की उदारीकरण की नीति भविष्योन्मुखी दृष्टिकोण को ध्यान में रखकर लाई गई थी लेकिन यह गरीबी को उस सीमा तक कम नहीं कर पाई जितनी अपेक्षा थी।

गांधीजी का स्वतंत्रता के दौरान सत्य एवं अहिंसा के आधार पर सत्याग्रह की रणनीति तत्काल प्रभाव उत्पन्न करने में असफल हो लेकिन इसका दीर्घकालिक प्रभाव पड़ा है।

डॉ. द्वारा पीड़ा से अत्यधिक पीड़ित व्यक्ति को दर्दनिवारक दवाई देना चाहे वह उसके स्वास्थ्य के लिए दीर्घकाल में

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

हानिकारक हो तत्काल में लाभदायक हो।

भारत का पंचशील का सिद्धांत काफी ठीक था फिर भी इसके परिणाम भारत-चीन, भारत-पाक युद्ध के रूप में भी आये। पर यह आज भी सही है।

उपर्युक्त उदाहरणों में सार्वभौमिक नैतिकता के सिद्धांतों यथा करुणा, शांति, सह-अस्तित्व, सुरक्षा, वसुधैव कुटुम्बकम आदि शामिल थे। अतः ये मानवीय अच्छे परिणाम के निर्धारक रहे।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (a) With the help of appropriate examples, discuss the ethical challenges involved in policing in India. Also, highlight the reasons behind corruption in the police force. **(150 words) 10**

उपयुक्त उदाहरणों की सहायता से भारत में पुलिसिंग (पुलिस व्यवस्था) में शामिल नैतिक चुनौतियों पर चर्चा कीजिए। साथ ही, पुलिस बल में व्याप्त भ्रष्टाचार के कारणों पर प्रकाश डालिए।

भारत में पुलिस राज्य सूची का विषय है एवं यह कानून एवं व्यवस्था की सुनिश्चितता करता है। 1861 के पुलिस अधिनियम के तहत भारत में पुलिस शासित होती है।

पुलिसिंग में नैतिक चुनौतियाँ

1. कार्य का अत्यधिक बोझ जिसके चलते अपराध बढ़ते जा रहे हैं।
2. कमजोर वर्गों के प्रति पुलिस का असंवेदनशील रवैया जैसे महिला, दलित के प्रति
3. पुलिस के पास अत्याधुनिक तकनीकी एवं प्रशिक्षण का अभाव उनका कार्य कठिन बना देता है।
4. 24×7 कार्य जो कि बहुत अधिक

अनैतिक है।

(4) केन्द्र – राज्य / राज्य – राज्य के बीच अधिकार क्षेत्र को लेकर विवाद

पुलिस में व्याप्त भ्रष्टाचार के कारण :–

(1) विवेकाधीन शक्तियों का बाहुल्य पुलिस के पास
(2) रुपीड़ मनी के लिए पुलिस स्थान क्योंकि जल्दी कार्य करने के लिए भ्रष्टाचार के प्रति स्वीकृतिपूर्ण रवैया रखते हैं।
(3) कम वेतन एवं सुविधाएँ
(4) साथियों से आगे निकलने की होड़
(5) जनता से अधिक सम्पर्क
(6) तकनीकी का कम प्रयोग इसे और बढ़ाता है।

विभिन्न पुलिस सुधार आयोगों की सिफारिशें, सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों (2006) का पालन, गृहमंत्रालय के NCRB के सुझाव (CCTNS) का त्वरित कार्यान्वयन भ्रष्टाचार निवारण में सहायक हैं, अतः उपरोक्त सुझावों पर त्वरित कार्यवाही हो।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (b) A right combination of spirit and structure is integral to ethical corporate governance. Discuss. (150 words) 10

भावना और संरचना का सही संयोजन नैतिक कॉर्पोरेट गवर्नेंस का अभिन्न अंग होता है। चर्चा कीजिए।

कॉर्पोरेट शासन से तात्पर्य किसी निगम के संचालन के तरीको (नियुक्ति, कार्य, पारदर्शिता आदि) से संबंधित है।

कार्पोरेट गवर्नेंस ~~के अंग~~ में भावना एवं संरचना का महत्व

① निगम शासन की उचित संरचना ही लक्ष्यों के निर्धारण एवं उनकी सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

② संरचना की पारदर्शिता ही लोगो में निगम के प्रति विश्वास जगाती है और लोगो को निगम के उत्पादों के प्रति प्रोत्साहित करती है यह निगम की सफलता एवं निरंतरता के लिए जरूरी

③ भावना उचित कार्य संस्कृति के समावेश के साथ- साथ एकजुटता की भावना पैदा करती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(4) नैयतिक एवं सामाजिक संतुष्टि की भावना कर्मचारियों को नैतिक प्रोत्साहन कर निगम की सार्थकता एवं निष्ठता को बढ़ाती है।

(5) उचित संरचना उचित निर्देश देकर कर्मचारियों से कठिन लक्ष्यों की प्राप्ति की ओर अग्रसर करती है यह सामाजिक लाभ के साथ – साथ निगम के लिए लाभदायक है

अतः स्पष्ट है कि भावना एवं संरचना का सही संयोजन कार्पोरेट शासन की सफलता का महत्वपूर्ण अंग है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. **(a)** It is not only public servants, but also the common citizens who play a key role in institutionalising high standards of ethical conduct and good governance. Elaborate. **(150 words) 10**

न केवल लोक सेवक, बल्कि आम नागरिक भी नैतिक आचरण और सुशासन के उच्च मानकों को संस्थागत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सविस्तार वर्णन कीजिए।

नैतिक आचरण से तात्पर्य कानून सम्मत एवं सार्वभौमिक नियमों की नीति संहिता के अनुकूल आचरण करने से है।

सुशासन से तात्पर्य शासन में उत्तरदायित्व, जवाबदेही, भ्रष्टाचार मुक्त, पारदर्शिता जैसे तत्वों के साथ कार्य करने से है। (विश्व बैंक द्वारा परिभाषित)

शासन में उच्च मानकों को संस्थागत बनाने में लोक सेवकों एवं आम नागरिकों की भूमिका

लोकसेवकों की भूमिका

→ पारदर्शिता के साथ कार्य कर पारदर्शिता को बढ़ावा देना
→ नियमबद्ध कार्य करना
→ भ्रष्टाचार मुक्त रहकर कार्य करना
→ कार्य करते वक्त जवाबदेही से कार्य करना

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ उचित कार्य संस्कृति का विकास करना

→ कानूनों एवं नियमों का अक्षरशः अनुपालन

→ नीति संहिता एवं आचार संहिता का अनुपालन करना

→ ई-गवर्नेंस को बढ़ावा देना

आम-नागरिकों की भूमिका

→ अपने अधिकारों के लिए जागरूक होकर प्रशासन में भागीदारी करना

→ भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन को बढ़ावा देना

→ RTI का अधिक प्रयोग प्रशासन में पारदर्शिता बढ़ाना

→ सिविल सेवकों को कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करना एवं गलत कार्य की आलोचना करना

उपरोक्त भूमिका नैतिक आचरण एवं शासन को संस्थागत करने में लोकसेवक के साथ साथ नागरिकों की भी है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. **(b)** Public administration in India suffers from the 'working-in-silos' culture. In this context, discuss the importance of cooperation, coordination and collaboration for efficient governance. **(150 words) 10**

भारत में लोक प्रशासन 'एकाकी कार्य' संस्कृति ('वर्किंग-इन-साइलो' कल्चर) से ग्रस्त है। इस संदर्भ में, कुशल गवर्नेंस के लिए सहयोग, समन्वय और सहभगिता के महत्व पर चर्चा कीजिए।

प्रशासन में एकाकी कार्य संस्कृति से तात्पर्य विभाग स्तर पर या नेतृत्वकर्ता के स्तर पर बिना समन्वय के कार्य करने से है। यानी दूसरे विभागों के बीच समन्वय के अभाव से है। उदा- के लिए भारत में परिवहन क्षेत्र में चार मंत्रालय का होना।

इससे संसाधनों के दुरुपयोग, मानव संसाधन का अपूर्ण उपयोग, धन की बर्बादी, अकुशल सेवा वितरण एवं कार्यों में दोहराव को बढ़ावा मिलता है।

कुशल शासन में सहयोग, समन्वय और सहभागिता का महत्व :-

① इससे विभिन्न मंत्रालयों के बीच समन्वय होता है और कार्यों का दोहराव रुकता है। जैसे गति शक्ति योजना इसी उद्देश्य से लाई है।

② जनता के धन का सदुपयोग सुनिश्चित

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(3) शासन में पारदर्शिता को बढ़ावा

(4) सेवाओं का कुशल वितरण

(5) बजट का बेहतर प्रबंधन एवं बेहतर आवंटन सुनिश्चित

(6) कार्यों का बोझ साझा हो जाता है।

(7) निगरानी रखना आसान

(8) त्वरित निर्णय निर्माण संभव

कुशल शासन के लिए इन तीनों की उपयोगिता अपरिहार्य है। आवश्यकता है कि 'न्यूनतम प्रशासन एवं अधिकतम प्रशासन' का कल्पना न शासन की न्यूनता, न शासन की अधिकता के बीच बेहतर संतुलन के स्थापित हो।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. **(a)** While emotional intelligence is an essential tool for a public servant, it can also be misused to manipulate people to act against their own interests. Discuss with examples. **(150 words) 10**

हालांकि, भावनात्मक बुद्धिमत्ता लोक सेवक के लिए एक आवश्यक साधन होता है, लेकिन लोगों को अपने हितों के विरुद्ध कार्य करने के लिए प्रेरित करने हेतु इसका दुरुपयोग भी किया जा सकता है। उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए।

भावनात्मक बुद्धिमत्ता से तात्पर्य अपनी समझ एवं मनोभावों के अनुकूल दूसरों की मनोस्थिति को बदलना एवं ~~एक~~ अपने ~~स्वार्थों~~ लक्ष्यों के अनुकूल कार्य करना। (सेलोवी एवं मेयर द्वारा परिभाषित)

लोक सेवक के भावनात्मक बुद्धिमत्ता का महत्व

1. स्वयं को प्रोत्साहित करने के साथ साथ साथी कर्मचारियों को प्रोत्साहित करता है
2. लक्ष्यों के प्रति कठिन परिस्थितियों में कार्य करने की ललक
3. अच्छी नेतृत्वक्षमता को बढ़ाता है क्योंकि यह क्रोध एवं घृणा जैसे भावों को शमन करता है।
4. राजनीतिक दबाव, अधिक कार्यभार, एवं बढ़ती जन आकांक्षा के दौर में इसका प्रशासन में पर्याप्त महत्व है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

दुरुपयोग के उदाहरण

1. हिटलर द्वारा नाजी सेना को हिंसा के लिए भड़काना

2. भारतीय राजनीति में भावनाओं द्वारा लोगों को हिंसा के लिए भड़काना।
जैसे दिल्ली साम्प्रदायिक दंगे

3. कानूनों का अनुचित विरोध एवं विधायिका के कार्यों में अड़चन
उदा. विपक्षी दलों द्वारा सरकार के विरुद्ध जनता में हमेशा नकारात्मक छवि पेश की जाती है।

4. मीडिया द्वारा घटना का महिमामंडन करके कानून-व्यवस्था खराब करना

कुछ चुनौतियों ~~की~~ के बाद भावनात्मक बुद्धिमत्ता वर्तमान प्रशासन की महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. **(b)** Social influence is an ambivalent concept. It can be a source for good, bad and even for evil. Discuss with the help of relevant examples.

(150 words) 10

सामाजिक प्रभाव एक विरोधाभाषी अवधारणा है। यह अच्छे, बुरे और यहां तक कि अशुभ के लिए भी एक स्रोत हो सकता है। प्रासंगिक उदाहरणों की सहायता से विवेचना कीजिए।

सामाजिक प्रभाव से तात्पर्य लोगों को किसी कार्य विशेष के लिए कार्य करने के लिए अनुनय, विनय द्वारा प्रोत्साहित करने से है

जैसे –
- स्वच्छ भारत मिशन द्वारा जनता को स्वच्छता के लिए
- उज्ज्वला योजना के तहत LPG गैस पर खाना पकाने के लिए
- बेटी-बचाओ-बेटीपढ़ाओ लिंगानुपात सुधारने के लिए

यह विरोधाभासी अवधारणा है जिसे उदाहरणों से समझ सकते हैं —

(1) जैसे एक सफल प्रशासक को देखकर आज के युवा उसे रोल मॉडल मानकर वैसा बनना चाहते हैं उदा॰ टी.एन.शेषन का अनुकरण

(2) अपने आदर्श व्यक्ति को सिगरेट पीते हुए देखकर सिगरेट पीने की आदत डालना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(3) अपराध एक अशुभ प्रजा है पर एक अपराधी को देखकर भी समाज के कुछ युवा अपराधी बनने की ठान लेते हैं क्योंकि उन्हें उस अपराधी का व्यक्तित्व आकर्षक लगता है।

उपरोक्त उदाहरणों में सामाजिक प्रभाव का विरोधाभास उभरता है। किसी सरकारी नीति के प्रति लोगों की ये तीनों प्रक्रिया देखी जा सकती है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. **(a)** Effective public service delivery demands a people-centric approach, which is built upon coordination and leverages technology. Discuss.
(150 words) 10

प्रभावी सार्वजनिक सेवा वितरण एक जन-केंद्रित दृष्टिकोण की मांग करता है, जो समन्वय पर आधारित होता है और प्रौद्योगिकी का लाभ उठाता है। चर्चा कीजिए।

सार्वजनिक सेवा वितरण से तात्पर्य सरकार द्वारा जनता को उपलब्ध कराई गई सेवाओं के वितरण से है। उदा० जन वितरण प्रणाली द्वारा राशन वितरण आदि

प्रभावी जन वितरण की आवश्यकता

(1) जनता की माँग की पूर्ति करने के लिए
(2) सामाजिक न्याय एवं समावेशी विकास के लिए
(3) कानून का शासन बनाये रखने के लिए
(4) लोकतंत्र के विश्वास बनाये रखने तथा जनता एवं सरकार के बीच संबंधों के सफल संचालन के लिए

प्रभावी जन वितरण में भ्रष्टाचार, लिकेज, लालफीताशाही, प्रशासनिक असंवेदनशीलता, देरी

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

आदि के चलते नई चुनौती पेश हुई है।

चुनौतियों का समाधान

(1) प्रौद्योगिकी का शासन के प्रत्येक स्तर पर अत्यधिक समावेश ताकि भ्रष्टाचार रुक सके

(2) प्रभावी जन शिकायत प्रणाली का होना आवश्यक ताकि जवाबदेही बनी रहे

(3) सेवोत्तम मॉडल, सिटीजन चार्टर, RTI, ई-गवर्नेंस का प्रभावी अनुपालन ताकि त्वरित सेवा पहुँचे

(4) लोगों की आकांक्षाओं के अनुकूल नीति निर्माण एवं क्रियान्वयन में सरलता करना

प्रभावी सार्वजनिक सेवा वितरण के लिए सेवोत्तम मॉडल का प्रत्येक विभाग में कार्यान्वयन करने के साथ-साथ लोक सेवा बिल 2011 का त्वरित शासन में समावेशन जरूरी है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. (b) Highlight the important teachings of Kautilya that are relevant to public services in 21st century India. (150 words) 10

कौटिल्य की उन महत्वपूर्ण शिक्षाओं पर प्रकाश डालिए, जो 21वीं सदी के भारत में लोक सेवाओं के लिए प्रासंगिक हैं।

कौटिल्य मौर्यकालिन विचारक थे जिन्होंने राजनीति, अर्थव्यवस्था, नैतिकता, समाज आदि पर लेखन कार्य किया है और इन सभी क्षेत्रों को नई दिशा दी है।

कौटिल्य की महत्वपूर्ण शिक्षाएँ एवं लोक सेवकों के लिए उनकी प्रासंगिकता —

(1) सदाचार का पालन (सत्यनिष्ठा) —

सदाचार पालन की शिक्षा लोक सेवकों को प्रोत्साहित करती है ताकि जन सेवा के प्रति समर्पण भाव से कार्य करते हुए आदर्श उदाहरण पेश करे।

(2) समयबद्धता — समयबद्धता का गुण वर्तमान लोक सेवक को कार्य जल्दी करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

(3) आदर्श राजा का सिद्धांत —

राजा का परम कर्तव्य है कि वह जनता

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

की खुशी में ही अपनी खुशी समझे। जो आज के लोक सेवक के लिए भी अति प्रासंगिक है।

(4) भ्रष्टाचार को वे समाज के नैतिक पतन, सामाजिक अन्याय और राष्ट्रीय विकास में अवरोध का कारण मानते थे। आज भी भ्रष्टाचार समाज में जड़ जमा कर बैठा हुआ है।

(5) लोक सेवक को कौटिल्य नवाचारी, प्रगतिशील, भविष्योन्मुखी एवं आदर्श बनाने पर जोर देते थे जो आज भी जरूरी है।

अतः उपरोक्त वर्णित कौटिल्य के विचार सिविल सेवकों के लिए अत्यंत प्रासंगिक है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. What do each of the following quotations mean to you?

निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके लिए क्या अर्थ है?

(a) "What counts in life is not the mere fact that we have lived. It is what difference we have made to the lives of others that will determine the significance of the life we lead." Nelson Mandela **(150 words) 10**

"जीवन में जो मायने रखता है वह केवल यह तथ्य नहीं है कि हमने अपना जीवन जिया है। दूसरों के जीवन में हमने जो बदलाव लाया है, वह हमारे जीवन के महत्व को निर्धारित करेगा।" - नेल्सन मंडेला

नेल्सन मंडेला का यह विचार सामाजिक भलाई को व्यक्तिगत भलाई (हित) से आगे रखता है ताकि सर्वसमावेशी विकास सुनिश्चित हो सके। वर्तमान भौतिकवादी दौर में यह कथन अत्यधिक प्रासंगिक है। कुछ उदाहरणों से इसे हम समझ सकते हैं।

(1) अब्राहम लिंकन दास प्रथा के प्रति उनके कार्य कर शोषित लोगों के उत्थान करना यह दर्शाता है कि वे संवेदनशील वर्गों के प्रति कितनी संवेदना रखते थे। लिंकन के जीवन का महत्व आज भी इस कार्य के लिए महत्वपूर्ण याद किया जाता है।

(2) गांधीजी द्वारा राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान सत्य अहिंसा से ~~मुक्ति~~ स्वतंत्रता का मार्ग प्राप्त करना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भी अहिंसा के प्रति उनके कठोर विश्वास को दर्शाता है।
जो हिंसा के विरुद्ध उनके महत्व को दर्शाता है।

(3) नेल्सन मंडेला, रोजा पार्क्स, मार्टिन लूथर किंग जूनियर आदि का रंगभेद संघर्ष हो या बेजवाड़ा विल्सन का मैला उठाने के विरुद्ध संघर्ष आदि ऐसे उदाहरण हैं जो इनसानों के उद्धार द्वारा अपने जीवन को प्रासंगिक बनाते हैं।

निष्कर्षतः कहें तो स्वामी विवेकानंद की इनसानों की सेवा को ईश्वर की सेवा के रूप में देखते थे ताकि इनसानों के इनसान की भलाई कर अपने जीवन के महत्व को निर्धारित किया जा सके।
वर्तमान में यह विचार अधिक प्रासंगिक है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. **(b)** "I care only for the Spirit - when that is right, everything will be righted by itself". Swami Vivekananda. **(150 words) 10**

भावना/भावना

"मुझे केवल मूल की परवाह है- जब वह सही होगा, तो सब कुछ स्वयं ही सही हो जाएगा।" - स्वामी विवेकानंद

स्वामी विवेकानंद प्रस्तुत उद्धरण में साध्य के स्थान पर साधन की पवित्रता पर बल दे रहे हैं जो कि नियमवादी नीतिशास्त्र के सिद्धांतों एवं गांधीजी की विचारधारा से सदृश्यता रखते हैं।

उद्धरण को निम्न उदाहरणों से समझ सकते हैं -

① दूसरों की भलाई के लिए आंतरिक अभिप्रेरणा से कार्य करना न कि वर्तमान में कानूनी दबाव (जैसे कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व/CSR) के चलते करना इसके पथ से विचलित कर सकता है। अतः स्पष्ट है कि साधन / अभिप्रेरणा सही है तो सब कुछ सही होगा।

② अपने अधिकारों के लिए संघर्ष में अहिंसा, सत्य जैसे विचारों के साथ लड़ाई लड़ना उनके उद्देश्य को अधिक सफल बनाएगा न कि हिंसक संघर्ष द्वारा प्राप्त सफलता।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

उदाहरण का महत्व

① नैतिक पथ पर चलने का उदाहरण देता है।

② कठिन परिस्थितियों में भी साधन की पवित्रता बनाये रखता है।

③ सरकारों को सामाजिक न्याय उद्देश्य प्राप्ति में अल्प संसाधन होने के बाद निरंतरता के दृष्टिकोण में यह अधिक प्रासंगिक है।

स्वामी जी का यह कथन व्यक्तिगत जीवन में सुधार के साथ-साथ नहीं सामाजिक राष्ट्र के निर्माण में भी हमें राह दिखाता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. **(c)** "True peace is not merely the absence of tension; it is the presence of justice." Martin Luther King Jr **(150 words) 10**

"वास्तविक शांति केवल तनाव की अनुपस्थिति नहीं है; बल्कि यह न्याय की उपस्थिति भी है।" - मार्टिन लूथर किंग जूनियर

मार्टिन लूथर का यह कथन कृत्रिम शांति, जो शोषण - शोषक संबंधों पर टिकी है, की बजाय स्थायी शांति के द्वारा सम्पूर्ण न्याय की पक्षधरता को दर्शाता है।

वास्तविक शांति का महत्व —

① इससे व्यक्तिगत विकास के साथ - साथ समाज, राष्ट्र सभी का समावेशी विकास होता है।

② संघर्ष को कम करता है एवं समाज में शांति स्थापित स्थापित होती है।

③ द्वितीय विश्व युद्ध के बाद विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं का निर्माण वास्तविक शांति के उद्देश्य से ही किया गया ताकि वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को बढ़ाया जा सके।

④ न्याय की मूल भावना को बढ़ाता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रथम विश्व युद्ध के बाद स्थापित वर्साय की संधि केवल तनाव को अनुपस्थित करने की संधि थी इसमें न्याय शामिल नहीं था। अतः यह संघर्ष को ज्वलंत करने में अधिक भूमिका निभाई और अन्याय को बढ़ावा किया

इसके विपरीत द्वितीय विश्व युद्ध वास्तविक शांति के लिए प्रयास न्याय के साथ किए जो आज तक विश्व में शांति बनाये रखने में कारगार रहे है।

वर्तमान समय की विविध समस्याऐं आतंकवाद, शरणार्थी संकट, गृह युद्ध, जलवायु परिवर्तन, द्वेष, घृणा, युद्ध आदि को वास्तविक शांति के मूल को समझकर ही हल किया जा सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – B

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

निम्नलिखित प्रश्नों में, प्रस्तुत प्रकरण का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और उसके बाद आने वाले प्रश्नों के उत्तर दीजिए (लगभग 250 शब्द):

7. You have recently graduated from college and are now preparing for the civil services examination. While reading the newspaper, you come across a news report of a Non-Governmental Organisation (NGO), working for child rights, challenging a provision of the Juvenile Justice Act, 2015, in the Supreme Court of India. The said provision provides for the option of Children in Conflict with Law (CCL) to be tried as adults under certain circumstances. The NGO's plea is that children are not able to understand the gravity of crimes. It has also contended that the criminal acts committed by children are a reflection of failure of the society to take care of its children. In the context of this situation, as a young aspirant, answer the following questions:

(a) What are the possible factors that can drive a child towards committing heinous crimes?

(b) Is it ethical to punish children as adults rather than giving them a chance for reformation? **(20)**

आपने हाल ही में कॉलेज से स्नातक किया है और अब आप सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। समाचार पत्र पढ़ते समय, आप बाल अधिकारों के लिए काम कर रहे एक गैर-सरकारी संगठन (NGO) की एक खबर के बारे में पढ़ते हैं, जिसमें भारत के उच्चतम न्यायालय में किशोर न्याय अधिनियम, 2015 के एक उपबंध को चुनौती दी गई है। उक्त उपबंध कुछ परिस्थितियों में कानून का उल्लंघन करने वाले बच्चों (CCL) पर वयस्क के रूप में मुकदमा चलाने के विकल्प का प्रावधान करता है। उस NGO की दलील है कि बच्चे अपराधों की गंभीरता को समझने में सक्षम नहीं होते हैं। NGO ने यह भी तर्क दिया है कि बच्चों द्वारा किए गए आपराधिक कृत्य अपने बच्चों की देखभाल करने में समाज की विफलता का प्रतिबिंब हैं। उपर्युक्त परिस्थिति के संदर्भ में तथा एक युवा अभ्यर्थी के रूप में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) वे कौन-से संभावित कारक हैं जो एक बच्चे को जघन्य अपराध करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं?

(b) क्या बच्चों को सुधार का एक मौका देने के बजाय उन्हें वयस्कों के रूप में दंडित करना नैतिक है?

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

उपरोक्त केस अध्ययन किशोर न्याय अधिनियम 2015 के एक उपबंध को लेकर की जा रही न्यायिक समीक्षा के बारे में है जहाँ गंभीर अपराध के अपराधी बच्चों पर व्यस्क के रूप में कार्यवाही करने से संबंधित

उत्तर (a)

बच्चों को जघन्य अपराध के लिए प्रेरित करने वाले कारक :-

1. समाज में बच्चों पर किया जा रहा शोषण
2. परिवार में बच्चों के साथ अनैतिक व्यवहार
3. अपराधिक समूहों द्वारा कार्य के लिए भड़काना या कुछ पैसे देकर कार्य करना
4. अपने साथ हुए किसी अन्याय का बदला लेने की भावना
5. हथियारों की आसान उपलब्धता
6. पारिवारिक अपराधी संस्कृति का होना भी इसे बढ़ाता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(7) यौन अपराध के पीड़ित बच्चे इसी प्रकार हिंसा का सहारा लेते है।

(8) अशिक्षा के कारण भी

(9) बाजारवाद संस्कृति में काम करने के लिए दबाव डालना

(10) अनाथ होने पर भी बच्चे इस तरफ जल्दी बढ़ते है।

(11) डिजिटल प्रौद्योगिकी के चलते विभिन्न ऑनलाइन खेल भी ऐसे कार्यों के लिए उकसाते है।

उत्तर (b)

वयस्कों के रूप में दंडित करने के निहितार्थ

पक्ष

(1) समाज में अपराध की गंभीरता को बताएगा एवं प्रभावी निवारक के रूप में कार्य करेगा।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(2) पीड़ित को इससे न्याय सुनिश्चित हो सकेगा

(3) बच्चे (अपराधी) में वांछित सुधार संभव होगा।

(4) अपराध का बचपन में ही निवारण बच्चे को बड़ा अपराधी बनने से रोकेगा।

(5) विभिन्न अपराधी समूह में शामिल होने से बच्चे को रोका जा सकेगा।

(6) बच्चे में कानून का भय पैदा होगा।

विपक्ष

(1) वयस्कों के रूप में दंडित करना उनके बचपन को उनसे छीनने के समान है।

(2) न्यायिक व्यवस्था का कार्य अपराधी में सुधार करना है न कि सिर्फ कानून सम्मत न्याय करना

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(3) ऐसे बच्चे शिक्षा से वंचित हो सकते हैं।

(4) समाज की मुख्यधारा में फिर से उनका शामिल होना मुश्किल

(5) अपराधिक समूहों में वे फिर खुलकर भी शामिल हो सकते हैं।

अतः आवश्यकता है कि बच्चे को सुधारात्मक दृष्टिकोण के साथ सजा देकर उनके बालपन के अनुरूप सुधार के प्रयास किए जाए ताकि बड़ा अपराधी बनने से रोका जा सके।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. You are a CEO-founder of an edTech company. You are under tremendous pressure from the investors in your company to increase the profitability of the company and undertake downsizing. After making a few bad acquisitions, the company's finances have taken a huge hit in the last couple of years. The downsizing is suggested with the hope that the company's profitability would rise, as it often does when mass

layoff or downsizing decisions are carried out. Moreover, the investors have hinted that such measures would attract further investment from them, which has come as a ray of hope considering the ongoing volatile market conditions and slowdown in big-ticket fundings. Given the situation, rumors of unscrupulous firing have started doing the rounds among employees. It has increased apprehensiveness and reduced cohesiveness among them. You have informed the investors that the cost cutting exercise can affect the output as well as reputation of the company in the long-run. However, they are adamant to pursue the same.

(a) Identify the stakeholders and ethical issues involved in the case.

(b) You and the HR team have identified some options and are deliberating to put them across to the investors for consideration. Discuss the merits and demerits of each of these:

(i) Identifying key high performers and offering them suitable positions before implementing the layoff decision.

(ii) Putting the terminated employees on retainer to work part-time.

(iii) Executing the lay off order in the same spirit as it was asked by the investors and letting them deal with the long-term consequences.

(iv) Improving the perception of fairness among the existing and terminated employees and moving ahead with the layoffs.

(c) Without restricting yourself to the above options, discuss the course of action you will take, and provide adequate reasons for the same.

(20)

आप एक एडटेक कंपनी के सह-संस्थापक और सी.ई.ओ. हैं। कंपनी की लाभप्रदता बढ़ाने और छंटनी (डाउनसाइजिंग) करने के लिए आपके ऊपर कंपनी के निवेशकों का जबरदस्त दबाव है। कुछ खराब अधिग्रहण करने के बाद, पिछले कुछ वर्षों में कंपनी की वित्तीय स्थिति में भारी गिरावट आई है। ऐसे में छंटनी का सुझाव कंपनी की लाभप्रदता में वृद्धि की उम्मीद के साथ दिया गया है, क्योंकि सामान्यतः बड़े पैमाने पर छंटनी के निर्णय से लाभप्रदता बढ़ती है। इसके अलावा, निवेशकों ने संकेत दिया है कि इस तरह के उपायों के परिणामस्वरूप वे कंपनी में और अधिक निवेश कर सकते हैं, जो बाजार में चल रही अस्थिर स्थितियों एवं अधिकाधिक फंडिंग में कमी को देखते हुए आशा की किरण के रूप में हैं। इस स्थिति को देखते हुए कर्मचारियों के बीच बेवजह नौकरी से हटाये जाने की अफवाहों का दौर शुरू हो गया है। इन सब बातों ने उनके बीच आशंका को बढ़ाया है और एकजुटता को भी कम किया है। आपने निवेशकों को सूचित किया है कि लागत में कटौती के प्रयास से कंपनी के उत्पादन के साथ-साथ दीर्घावधि में प्रतिष्ठा भी प्रभावित हो सकती है। हालांकि, वे इसी उपाय को अपनाने पर अड़े हुए हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(a) इस प्रकरण में शामिल हितधारकों और नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) आपने और HR टीम ने निम्नलिखित कुछ विकल्पों की पहचान की है तथा उन्हें विचार के लिए निवेशकों के सामने रखने की सोच रहे हैं। इनमें से प्रत्येक के गुणों और दोषों की विवेचना कीजिए:

(i) छंटनी के फैसले को लागू करने से पहले उच्च प्रदर्शन करने वाले अग्रणी कर्मचारियों की पहचान करना और उन्हें उपयुक्त पदों की पेशकश करना।

(ii) हटाये जाने वाले कर्मचारियों को पार्ट-टाइम काम करने के लिए रिटेनर के तौर पर रखना।

(iii) छंटनी के आदेश को उसी भावना से निष्पादित करना जैसा कि निवेशकों द्वारा कहा गया था और उन्हें दीर्घकालिक परिणामों से निपटने की अनुमति देना।

(iv) मौजूदा और हटाये गए कर्मचारियों के बीच निष्पक्षता की धारणा में वृद्धि करना और छंटनी के उपाय के साथ आगे बढ़ना।

(c) स्वयं को उपर्युक्त विकल्पों तक सीमित किए बिना, आपके द्वारा की जाने वाली कार्रवाई पर चर्चा कीजिए और उसके लिए पर्याप्त कारण बताएं।

प्रस्तुत मामला कंपनी में आर्थिक हानि के चलते कर्मचारियों की छंटनी से संबंधित मुद्दों को लेकर है। हाल ही में कोविड-19 महामारी के दौर में ऐसी समस्या हर कंपनी में देखी गयी।

उत्तर (a)

प्रकरण में शामिल हितधारक

→ मैं कंपनी के सह-संस्थापक और सी.ई.ओ. के रूप में

→ कंपनी के निवेशक

→ कंपनी के कर्मचारी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ कंपनी

→ आम जनता, जो कंपनी से सेवा लेती है।

→ प्रशासन (सरकार) जो श्रम कानून को लागू करवाते है।

नैतिक मुद्दे

(1) कंपनी के कर्मचारियों की छंटनी में किसे प्राथमिकता देवे।

(2) कंपनी के तत्कालीक आर्थिक हित बनाम दीर्घकालिक लाभ में से एक को चुनना

(3) सहसंस्थापक एवं सी.ई.ओ के रूप में निवेशकों के आदेश का अक्षरश: पालन करना या कुछ छूट देकर कर्मचारियों के हितों का ध्यान रखना

(4) वर्तमान छंटनी के प्रयास कंपनी के कर्मचारियों में एकजुटता को खंडित कर रहे है उसे व्यवस्थित करना।

उत्तर (3)

विकल्प (1)

अग्रणी कर्मचारियों की पहचान कर छंटनी करना

पक्ष	विपक्ष
(1) कंपनी के आर्थिक हित सुनिश्चित	(1) सामाजिक न्याय की अवधारणा का उल्लंघन (कमजोर वर्गों यथा महिला आदि को अधिक नुकसान)
(2) निवेशकों का मेरे ऊपर भरोसा कायम	(2) इससे कर्मचारियों में चापलूसी की प्रवृत्ति बढ़ेगी

विकल्प (2)

छंटनीयुक्त कर्मचारियों को पार्ट-टाइम रखना

पक्ष	विपक्ष
(1) खर्चों में कटौती संभव	(1) इससे गुणवत्तायुक्त कार्य असंभव होगा
(2) काम भी अप्रभावित	(2) कर्मचारियों के बीच असुरक्षा की भावना कार्य प्रवृत्ति उत्पन्न होगी

विकल्प (3) निवेशकों के आदेश का अक्षरशः पालन

पक्ष	विपक्ष

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

① सी.ई.ओ के रूप में मेरी प्रतिष्ठा बनी रहेगी। ② मेरा नैतिक कर्तव्य भी है।	① कंपनी का भरोसा टूटेगा और जनता में कंपनी की नकारात्मक छवि जायेगी ② अन्य उपाय जो इसका निदान कर सकते थे छूट चले जायेंगे।

विकल्प (4)

निष्पक्षता के साथ छंटनी करना

पक्ष	विपक्ष
① ~~[illegible]~~ योग्यता आधारित कर्मचारी सुरक्षित रहेंगे ② कंपनी की कार्यक्षमता सुधरेगी एवं आर्थिक लाभ होगा	① इस वस्तुनिष्ठ निर्णय में भी आत्मनिष्ठता होगी। अतः कर्मचारियों द्वारा पक्षपात का आरोप ② कंपनी में भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिल सकता है

उत्तर (c)

मेरे द्वारा की जाने वाली कार्यवाई

① निवेशकों से पुनरानुरोध ताकि सेवेरेंस लाभ

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

के लिए दीर्घकालिक हितों के बारे में सोचे

(2) नहीं मानने पर कुछ अन्य विकल्पों का सुझाव; जैसे किए गए आविष्कार के कुछ कार्यों को निरस्त करना आदि

(3) नहीं मानने पर निष्पक्षता के साथ प्रदर्शन के आधार पर कर्मचारियों की छंटनी

उद्देश्य
कार्यवाही के लिए पर्याप्त स्वीकारता

(1) निवेशकों के साथ-साथ कर्मचारियों का हित सुनिश्चित करना मेरी नैतिक एवं कानूनी जवाबदेही

(2) अपरोक्ष क्षति नियंत्रण के लिए

अतः स्पष्ट है कि विभिन्न पक्षों के पक्ष-विपक्ष को देखते हुए एक मध्यम मार्ग उपयुक्त निकाला के समाधान में संभव हो

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. There is an ongoing ethnic civil war in a neighbouring country. The conflict has caused massive displacement of people from the country. Ironically, the developed countries have closed off their borders to the refugees on account of the COVID-19 pandemic, resource competition, domestic politics etc. With countries sealing off their borders, the refugees are left in a vulnerable situation and many are taking illegal routes to enter your country. As a Senior Official of your country's Ministry of External Affairs, you have been involved in discussions with officials of other nations and are entrusted with the mandate to design a national policy to safely accommodate India bound refugees. In this context, answer the following questions:

(a) Discuss the moral issues related to the rights of international refugees, especially those from conflict-torn regions.

(b) What recommendations would you suggest given the large influx of refugees in India. **(20)**

एक पड़ोसी देश में नृजातीय गृह-युद्ध जारी है। यह संघर्ष उक्त देश से लोगों के बड़े पैमाने पर विस्थापन का कारण बन गया है। विडंबना यह है कि विकसित देशों ने कोविड-19 महामारी, संसाधनों के लिए प्रतिस्पर्धा, घरेलू राजनीति आदि के कारण शरणार्थियों हेतु अपनी सीमाओं को बंद कर दिया है। देशों द्वारा अपनी सीमाओं को बंद करने के कारण शरणार्थियों की स्थिति असुरक्षित हो गई है और वे आपके देश में प्रवेश करने के लिए कई अवैध मार्ग अपना रहे हैं। अपने देश के विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के रूप में, आप दूसरे देशों के अधिकारियों के साथ चर्चा में शामिल रहे हैं और आपको भारत में रहने वाले शरणार्थियों को सुरक्षित रूप से समायोजित करने के लिए एक राष्ट्रीय नीति तैयार करने का कार्य सौंपा गया है। इस संदर्भ में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) अंतर्राष्ट्रीय शरणार्थियों, विशेष रूप से संघर्षग्रस्त क्षेत्रों से आने वाले शरणार्थियों, के अधिकारों से संबंधित नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) भारत में शरणार्थियों की बड़ी संख्या के आगमन को देखते हुए आप क्या सुझाव देंगे।

प्रस्तुत प्रकरण पड़ोसी देश में चल रहे गृह-युद्ध और इसके चलते मेरे देश में शरणार्थी समस्या के घटित होने से संबंधित है। इसी तरह की घटना हाल ही में भारत में रोहिंग्या (म्यांमार) और तमिल (श्रीलंका) शरणार्थी के द्वारा घटित हुई है।

उत्तर(a)

अंतराष्ट्रीय शरणार्थी के अधिकारों से संबंधित नैतिक मुद्दे:-

① मानवाधिकार :-

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार संधि के तहत यह शरण देने वाले देश का नैतिक कर्तव्य है कि वह शरण दे, अन्यथा यह मानवाधिकारों का उल्लंघन माना जायेगा।

② संसाधनों पर दबाव :-

यह शरण देने वाले देश में संसाधनों पर दबाव बनाता है और अपने नागरिकों के समक्ष चुनौती पेश करता है। जैसे असम एवं पं. बंगाल में शरणार्थी संकट ने

③ मानवता के आधार पर शरण देना एवं आवश्यक बुनियादी वस्तुओं को उपलब्ध कराना शरण देने वाले देश का नैतिक कर्तव्य है।

④ कानूनी पक्ष - भारत, जैसे देश UN शरणार्थी संधि एवं प्रोटोकल दोनों से ही बाध्य नहीं है अतः

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

कई देश इस आधार पर भी शरण देने से मना करते हैं।

(5) युद्धरत देशों की नैतिक जवाबदेही है कि वे अपने नागरिकों के मूलभूत अधिकारों को सुनिश्चित करें।

इसके अतिरिक्त वैश्विक सहयोग द्वारा युद्धरत देश की संप्रभुता का हनन एवं अनावश्यक हस्तक्षेप, युद्ध की स्थिति को और भड़काना आदि मुद्दे भी इसके नैतिक रूप से शामिल हैं।

उत्तर (b)

मेरे द्वारा समाधान के लिए सुझाव

(1) पड़ोसी युद्धरत देशों से निरन्तर संवाद के साथ समस्या का उचित समाधान ढूंढना

(2) युद्ध को शांत करवाने के लिए दोनों

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

नृजातीय समुदायों में समन्वय स्थापित करना

(3) मानवता के आधार पर कुछ बुनियादी सेवाओं की आपूर्ति करना जैसे श्रीलंका में हाल ही में पेट्रोल एवं खाद्य पदार्थों की हुई।

(4) वैश्विक शांतिप्रिय माहौल बनाना एवं विभिन्न शक्तिशाली देशों को शामिल कर समाधान का रास्ता निकालना

(5) कूटनीतिक दृष्टिकोण के आधार पर वाह्य दबाव बनाकर, विभिन्न संकेत आरोपित (sanctions) कर समाधान तलाशना जैसे तालिबान के प्रति विभिन्न देशों की यही रणनीति है।

(6) युद्धरत देशों की सेना एवं सरकार को वैचारिक एवं नैतिक समर्थन देना ताकि समाधान की दिशा तलाशी जा सके

(7) किसी टापू पर शरणार्थियों के लिए

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

शरण स्थली बनवाई जा सकती है जैसे बांग्लादेश के एक द्वीप पर हाल ही में रोहिंग्या शरणार्थियों के लिए बनवाई।

उपरोक्त सुझाव ~~वर्तमान~~ गृहयुद्ध के चलते शरणार्थी समस्या के समाधान में सहायक होंगे।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. Social interactions where a person is addressed by their correct name and pronouns, consistent with their gender identity, are widely recognized as a basic and yet critical aspect of gender affirmation. A national university invited speakers for a discussion on rights of sexual minorities in India. The panel included speakers representing a wide variety of opinions and perspectives on the issue. The debates, though largely peaceful, witnessed a controversy. A college association representing sexual minorities took offence against a panellist who cautioned against self-identification by sexual minorities and the liberal use of pronouns. The association reached out to the media and the localised controversy soon turned into a national issue across news networks and social media. The association demanded that the panellist apologise for his views and issue a public statement in this context. The panellist, on the other hand, seemed unmoved by the issue. In the meantime, the University has come under huge pressure to resolve the issue. The Vice Chancellor set up a Committee to look into the matter and its peaceful resolution. You have been appointed as the Chairperson of the Committee. In this regard, answer the following questions:

(a) Discuss the various moral issues involved in the case.

(b) Keeping the right to freedom of speech and expression in mind, highlight the steps you would take to resolve the issue and list arguments in support. **(20)**

सामाजिक संपर्क, जहां व्यक्ति को उनके सही नाम एवं सर्वनाम द्वारा और उनकी लैंगिक पहचान के अनुरूप संबोधित किया जाता है, को व्यापक रूप से लैंगिक पुष्टि के एक बुनियादी और महत्वपूर्ण पहलू के रूप में पहचाना जाता है। राष्ट्रीय स्तर के एक विश्वविद्यालय ने भारत में लैंगिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों पर चर्चा के लिए वक्ताओं को आमंत्रित किया है। उस पैनल में इस मुद्दे पर विभिन्न प्रकार की राय और दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करने वाले वक्ता शामिल थे। हालांकि, वहां की गई चर्चा काफी हद तक शांतिपूर्ण थी, लेकिन इसमें एक विवाद भी उत्पन्न हुआ। लैंगिक अल्पसंख्यकों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक कॉलेज एसोसिएशन ने लैंगिक अल्पसंख्यकों द्वारा आत्म-पहचान और सर्वनामों के उदार उपयोग के खिलाफ चेतावनी देने वाले एक पैनलिस्ट के खिलाफ उग्र विरोध प्रदर्शित किया। उस एसोसिएशन ने मीडिया के माध्यम से अपना मत व्यक्त किया और स्थानीय विवाद जल्द ही समाचार नेटवर्क और सोशल मीडिया पर एक राष्ट्रीय मुद्दे में बदल गया। उस एसोसिएशन ने मांग की कि वह पैनलिस्ट अपने विचारों के लिए माफी मांगे और इस संदर्भ में एक सार्वजनिक बयान जारी करे। दूसरी ओर, वह पैनलिस्ट इस मुद्दे से अप्रभावित था। साथ ही, विश्वविद्यालय पर मामले को सुलझाने का भारी दबाव है। कुलपति द्वारा मामले की जांच करने और इसके शांतिपूर्ण समाधान के लिए एक समिति का गठन किया गया है। आपको समिति के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है। इस संबंध में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) इस प्रकरण में शामिल विभिन्न नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार को ध्यान में रखते हुए, इस मुद्दे को हल करने के लिए आप जो कदम उठाएंगे उसे रेखांकित कीजिए और समर्थन में तर्क दीजिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रस्तुत प्रकरण अल्पसंख्यकों की नाम की पहचान की संस्थाओं के खिलाफ एक वक्ता की टिप्पणी पर अल्पसंख्यकों के एक विश्वविद्यालयी एसोसिएशन के विरोध से संबंधित है। इसमें विश्वविद्यालयी प्रशासन भी प्रभावित हुआ है।

उत्तर (a)

प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे →

① फैलाने वक्ता की स्वतंत्रता के अधिकार (बोलने की) को सुनिश्चित रखना क्योंकि यह संविधान के अनुच्छेद 19 के मौलिक अधिकार है।

② अल्पसंख्यकों की पहचान पर संकट एवं उनकी छवि को खराब करने से उत्पन्न विभिन्न मुद्दे

③ विश्वविद्यालय प्रशासन के चरित्र

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

पर भी संदेह बना हुआ है कि कहीं वह अल्पसंख्यक विरोधी तो नहीं है।

(4) समिति अध्यक्ष के रूप में बाहरी दबाव से प्रभावित हुए बिना कार्य करना ताकि निष्पक्ष निर्णय तक पहुँच सकूँ।

(5) समाज में सौहार्द का माहौल बनाये रखेना ताकि कानून - व्यवस्था की स्थिति उपर्युक्त मुद्दे के चलते खराब ना हो।

उत्तर (b)

उपर्युक्त कदम एवं उनके समर्थन में तर्क

कदम	समर्थन
(1) निष्पक्ष जाँच तक एसोसिएशन को शांतिपूर्वक विरोध करने का अनुरोध करना	इससे समाज में सौहार्द कायम होगा और उचित निर्णय तक पहुँचना आसान

(2) निर्णयों की यथाशीघ्र सम्पूर्ण जाँच सुनिश्चित करना — ताकि सामाजिक शांति बनी रहे एवं वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के उल्लंघन को रोकने के लिए उपयुक्त कदम उठाए जा सके।

(3) निर्णयों में उपयुक्त तथ्यों एवं उनके पक्ष-विपक्ष का समावेश करना ताकि समिति पर किसी भेदभाव का आरोप न लगे। — इससे विश्वविद्यालय प्रशासन की छवि सुधरेगी एवं सही-गलत का पता चल सकेगा।

(4) दोनों पक्षों को एक मंच पर लाकर एक मध्यम मार्ग तलाशना — ताकि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा के साथ-साथ उनके अपवादों पर कार्यवाही की जा सके।

उपरोक्त उपाय के साथ शांतिपूर्ण प्रदर्शन के लिए अल्पसंख्यकों को समझाना एवं वक्ता के गलत पाये जाने पर सार्वजनिक माफी का सुझाव दूंगा ताकि वाद-संवाद की संस्कृति शुचिता के साथ चलती रहे

---

11. You are a young athlete representing India at an international-level competition. To your surprise, during the competition, you witness a few senior athletes injecting something using a syringe in private. When you approach them, they explain that it is a performance enhancing drug, which is very common in such competitions and you should take the same as well. You are aware that if these players get caught in a doping test, it may damage India's reputation. You are confused and afraid of the repercussions and decide to approach the coach to discuss the event you witnessed. However, you get to know that the athletes are taking the drug on the advice of the coach himself.

(a) What would you do in this scenario? Discuss the options available to you and chart your course of action.

(b) What are the reasons behind the use of performance enhancing drugs in competitive sporting events? How can this practice be minimized?

(20)

आप अंतर्राष्ट्रीय स्तर की एक प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले एक युवा एथलीट हैं। आश्चर्यजनक रूप से, आप प्रतियोगिता के दौरान कुछ वरिष्ठ एथलीटों को गुप्त रूप से सिरिंज का उपयोग करके कुछ इंजेक्शन को लगाते हुए देखते हैं। जब आप उनसे संपर्क करते हैं, तो वे समझाते हैं कि यह प्रदर्शन बढ़ाने वाली एक दवा है, जो ऐसी प्रतियोगिताओं में बहुत आम है और आपको भी इसे लेना चाहिए। आप जानते हैं कि यदि ये खिलाड़ी डोपिंग टेस्ट में फंस जाते हैं तो इससे भारत की साख खराब हो सकती है। आप दुविधा में हैं और इसके परिणामों से डरते हैं। साथ ही, आप इस घटना पर चर्चा करने के लिए कोच से संपर्क करने का फैसला करते हैं। हालांकि, आपको पता चलता है कि एथलीट कोच की सलाह पर इस दवा को ले रहे हैं।

(a) इस परिदृश्य में आप क्या करेंगे? आपके समक्ष उपलब्ध विकल्पों पर चर्चा कीजिए और अपनी कार्रवाई की रूपरेखा तैयार कीजिए।

(b) प्रतिस्पर्धी खेल प्रतियोगिता के आयोजनों में प्रदर्शन बढ़ाने वाली दवाओं के उपयोग के पीछे क्या कारण हैं? इस प्रथा को कैसे कम किया जा सकता है?

प्रस्तुत मामला खेलों में प्रदर्शन बढ़ाने के लिए प्रतिबंधित दवा के सेवन द्वारा अस्वस्थ खेल प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा से संबंधित है।

उत्तर (a)

मेरे पास उपलब्ध विकल्प :-

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

विकल्प (अ) → खिलाड़ियोंको ऐसा ना करने का संदेश दूंगा तथा पूर्व उदाहरणों (नुकसान) को बताऊँगा

विकल्प (ब) → तटस्थ रहकर अपना कार्य करता रहूंगा

विकल्प (स) → राष्ट्रीय एंटी डोपिंग एजेंसी या विश्व एंटी डोपिंग एजेंसी से शिकायत करूंगा

मेरी सर्वोत्तम कार्यवाही की रूपरेखा

(1) कोच को शिकायत करते हुए पूर्व के उदाहरणों को दोहराऊंगा कि कैसे पहले ऐसे मामलों में देश की छवि खराब हुई।

(2) खिलाड़ियों को समझाऊंगा ताकि उनका भविष्य खराब ना हो।

(3) NADA या WADA में शिकायत ताकि खेल भावना बनी रहे और स्वास्थ्य प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिले।

(4) राष्ट्रीय खेल एजेंसियों को भी सूचित करूंगा

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

ताकि देश की छवि सुधारी जा सके
(सुधारात्मक कार्यवाही के लिए)

उत्तर (b)

प्रतिबंधित दवाओं के उपयोग के पीछे कारण

(1) प्रदर्शन का सार्वजनिक दबाव
(2) असफलता का डर
(3) अपने साथियों से आगे निकलने की होड़
(4) आसान दवाओं की उपलब्धता
(5) दवाओं से प्रदर्शन में अत्यधिक सुधार
(6) कठोर प्रतिस्पर्धा मानकों के चलते अत्यधिक प्रतिस्पर्धा आसानी से आगे बढ़ने में कठिनाई है
(7) जीत के बाद नाम - शोहरत - पैसा की आसानी से उपलब्धता
(8) कठोर विधिक नियमों का अभाव

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(9) नियमों में लचीलापन डोप और बढ़ाता है।

(10) सामाजिक स्वीकार्यता (अस्वास्थ्य प्रतिस्पर्धा की)

(11) खेलों में होने वाले भेदभाव से पार पाने में मदद

(12) मनोवैज्ञानिक तनाव से मुक्ति

प्रभाव को कम करने के उपाय

(1) कठोर विधिक कानूनों का निर्माण

(2) नियामक संस्थाओं की मजबूती

(3) प्रशिक्षण व्यवस्था में डोपिंग पाठ्यक्रम का समावेशन

(4) खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण सुविधा ताकि स्वास्थ्य प्रतिस्पर्धा में सफलता की दर बढ़े।

(5) खेलों की उपलब्धता को प्रतिबंधित करता

(6) खेल भावना बढ़ाने के प्रति जागरूकता सृजन (जनता और खिलाड़ी दोनों में)

(7) अंतर्राष्ट्रीय बेहतर संस्थानों का खेलों के आयोजन ताकि उपलब्धता की जा सके।

उपरोक्त सुझाव वर्तमान डोपिंग की समस्या निवारण के कारगार साबित होंगे।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. You have been newly appointed as the District Magistrate of a district, which is known for its rich mineral deposits. Following the news being circulated in the media about the illegal mining in your district, you have initiated an enquiry into it. When the State's Minister of Mines and Minerals gets to know of the enquiry initiated by you, he directs you to name some junior government employees as being involved in the wrongdoing and make them scapegoats. He also points out that elections to the State Assembly are around the corner and the present government wishes to stay clear of any political corruption. This Minister is a very influential figure in the present regime and there are high chances of the present ruling party being voted back to power. In due course of the enquiry, it has come to your notice that the said Minister has also been involved in illegal mining through his cronies.

The findings of the enquiry can affect the outcome of the elections as well as completely derail your career, if the incumbent party wins the elections, which looks very likely as per the polls.

Answer the following with reference to this case:

(a) Identify the stakeholders and the ethical issues in the given case.

(b) Critically evaluate the options in the given scenario and state your course of action, giving reasons. **(20)**

आपको एक ऐसे जिले के जिला मजिस्ट्रेट के रूप में नियुक्त किया गया है, जो अपने समृद्ध खनिज भंडार के लिए जाना जाता है। आपके जिले में अवैध खनन के बारे में मीडिया में खबर प्रसारित होने के बाद, आपने इसकी जांच शुरू कर दी है। जब राज्य के खान और खनिज मंत्री को आपके द्वारा शुरू की गई जांच के बारे में पता चलता है, तो वो आपको कुछ कनिष्ठ सरकारी कर्मचारियों पर गलत काम में शामिल होने का आरोप लगाने और उन्हें बलि का बकरा बनाने का निर्देश देते हैं। वह यह भी बताते हैं कि राज्य विधान सभा के चुनाव नजदीक हैं और वर्तमान सरकार किसी भी राजनीतिक भ्रष्टाचार से दूर रहना चाहती है। वह मंत्री वर्तमान सरकार में एक अत्यधिक प्रभावशाली व्यक्ति है और साथ ही, वर्तमान सत्ताधारी दल के सत्ता में वापस आने की बहुत अधिक संभावना है। जांच के क्रम में आपके संज्ञान में आया है कि उक्त मंत्री अपने साथियों के माध्यम से अवैध खनन में शामिल रहा है। यदि सत्ताधारी दल चुनाव जीत जाता है, जिसकी अनुमानों के अनुसार संभावना अधिक है, तो आपकी जांच के निष्कर्ष चुनाव परिणामों को प्रभावित करने के साथ-साथ आपके करियर को भी प्रतिकूल रूप से प्रभावित करेंगे।

इस प्रकरण के संदर्भ में, निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए:

(a) प्रदत्त प्रकरण में शामिल हितधारकों और नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) दिए गए परिदृश्य में उपलब्ध विकल्पों का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए और कारण बताते हुए अपनी कार्रवाई का विवरण दीजिए।

प्रस्तुत मामला अवैध खनन एवं राजनीतिक साठ-गाँठ की प्रशासनिक जाँच एवं जाँच में राजनीतिक हस्तक्षेप से संबंधित है।

उत्तर (a)

प्रस्तुत केस में शामिल हितधारक एवं उनके मुद्दे

(1) जिला मजिस्ट्रेट के रूप में 'मैं' →

संविधान मूल्य एवं संवैधानिक कानूनों की निष्पक्ष अनुपालना करना मेरा नैतिक कर्तव्य है। साथ ही मंत्री के आदेश मानने से मेरी प्रशासनिक न्यायिक क्षमता पर नैतिक सवाल खड़े होते हैं। साथ ही मंत्री का निर्णय न मानने से मेरी पदोन्नति भी खतरे में है और साथ ही जहाँ न्याय न करने से जनता के निर्णय प्रभावित होंगे

(2) खान मंत्री

(a) खुद का अवैध खनन में शामिल होना, अतः उनका हित जुड़ा हुआ है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(b) जाँच के जिपद्धि परिणामों का चुनाव पर नकारात्मक असर पैदा होने की संभावना

(c) प्रशासनिक जाँच में हस्तक्षेप संवैधानिक कानूनों की अवहेलना कर मुद्दा भी बनता है।

(3) मीडिया

(a) स्वतंत्र रिपोर्टिंग कर जाँच की निष्पक्षता सुनिश्चित करवाना

(b) जनता के हितों को बढ़ावा देना या किसी के पक्ष में रिपोर्टिंग कर राजनीतिक लाभ उठाना

(4) सरकार

(a) सरकार निष्पक्ष जाँच को बढ़ाती है तो उसके शामिल होने की संभावना है। अतः राजनीतिक चुनावों के परिणाम पर विपरीत असर

(b) साथ ही जनता का हित सुनिश्चित कर अवैध खनन को रुकवाना भी नैतिक जिम्मेदारी

(5) स्थानीय लोग :-

(a) खनन के विकृति प्रभावों को कम करवाना के लिए सभी पक्षों से सहयोग मांगना

(b) खनन के स्वच्छ विकास के साथ स्थानीय समावेशी विकास को बढ़ावा देने के लिए अवैध खनन के स्थान पर वैध खनन को प्रोत्साहित करना

Ans. (b)

उपलब्ध विकल्प

विकल्प (अ): जाँच की निष्पक्षता बनाए रखना

पक्ष	विपक्ष
(1) जन हित सर्वोपरी होगा तथा समावेशी विकास सुनिश्चित	(1) सरकार के साथ साथ मंत्री से संबंध खराब
(2) अवैध खनन रुकेगा तथा पर्यावरण एवं राजस्व लाभ सुनिश्चित	(2) चुनाव के परिणाम प्रभावित होंगे
(3) जनता का प्रशासन पर भरोसा बढ़ेगा	(3) राजनीतिक विरोध का सामना करना पड़ेगा
	(4) व्यक्तिगत पदोन्नति के मामला प्रभावित होने की संभावना

विकल्प (ब)

मंत्री के सुझाव को स्वीकारना

पक्ष	विपक्ष
(1) इससे राजनीतिक संबंध सुधरने के साथ-साथ खुद मजिस्ट्रेट को भी विभागीय लाभ की संभावना	(1) जनता का हित प्रभावित होगा
(2) चुनाव ~~जिताने~~ जीतने में सहयोग से पार्टी से उत्साह लाभ मिलने की संभावना बढ़ेगी	(2) राजनीतिक शुचिता ~~एवं~~ कमजोर होने के साथ-साथ भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलेगा
	(3) पर्यावरण एवं राजस्व नुकसान
	(4) आरोपित कर्मचारियों के साथ अन्याय

मेरे द्वारा की जाने वाली कार्यवाही

(1) जाँच की निष्पक्षता बनाए रखते हुए मंत्री के सुझावों को दरकिनार करना ताकि जनहित का ध्यान रखते हुए पर्यावरण व राजस्व फायदा होगा

(2) मंत्री के व्यवधान को ऊपर के अधिकारियों को बताना ताकि अनावश्यक राजनीतिक दबाव न आये

(3) मीडिया और NGOs को दबाव का अप्रत्यक्ष संदेश ताकि जाँच के हर पहलू को गंभीरता से प्रसारित कर शुचिता का एवं भ्रष्टाचार विरोधी माहौल बने।

[illegible] उपरोक्त कार्यवाही मेरे निर्णय में शामिल होगी